>

Title : Need to develop historical sites in Paschim Champaran, Bihar as Tourist Centres and connecting them with Buddhist circuit.

श्री पूर्णमासी राम (गोपालगंज): सभापति महोदय, बिहार प्रांत के पश्चिम चम्पारण जिला अंतर्गत लौरिया स्थित पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित नंदनगढ़ का विशाल बौद्ध-स्तूप एवं अशोक स्तम्भ का बौद्ध धर्म से जुड़ा एक गौरवशाली इतिहास है। इन स्थलों में लौरिया नंदनगढ़, लौरिया अशोक स्तम्भ, चानकीगढ़, रमपुरवा स्तम्भ, महायोगिनी ग्राम, रमपुरवा का तालाब, गौनाहा का सोफा मंदिर, भितिहरवा का गांधी आश्रम, सुभद्रा मंदिर एवं भिखना ढोरी की पहाड़ी ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है, जिन्हें पर्यटक स्थल के रूप में शीघ्र विकसित करने की आवश्यकता है। इन स्थलों को बौद्ध परिपथ से जोड़ने तथा लौरिया को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु सन् 2005 में तत्कालीन जिलाधिकारी पश्चिम चम्पारण ने एक विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन बिहार सरकार को भेजा था, जिसे बिहार सरकार ने केन्द्र सरकार को अग्रसारित कर दिया, जो अभी भारत सरकार के पास विचाराधीन है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय पर्यटन मंत्री जी से मांग करना चाहूंगा कि पश्चिम चम्पारण के इन स्थलों को पयर्टक स्थल के रूप में मान्यता देते हुए, इन स्थलों को बौद्ध परिपथ से जोड़ा जाए। साथ ही इन स्थलों की आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु आर्थिक सहायता एवं सहयोग प्रदान किया जाए।